ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

वर्ष-6 अंक : 79

सहयोग शुल्क : रु. 1 / जुलाई: 2023

दिव्यांग सेतु

संपादक :- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

"दिव्यांग खिलाडीओंने पूरे देश को गौरवान्वित किया है"

– संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

"दिव्यांग खिलाडी देश का गौरव है"

– प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेबल, पाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटीसे असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

सिविल सर्फर का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

उम्मीद और हौसलों पर दुनिया कायम है, यह केवल एक मुहावरा नहीं है बल्कि हकीकत है । जर्मनी में आयोजित स्पेशियल समर गेम्स में गुजरात के १४ दिव्यांग खिलाडी मेडल्स प्राप्त कर गुजरात और पूरे देश का नाम रोशन करते हैं यह उनकी कड़ी मेहनत के साथ साथ उनके बुलंद हौंसलो और उम्मीदों के कारण सच बन पाता है । गुजरात के इन १४ दिव्यांग ख्लाडियों और उनको तैयार करनेवाले १० कोच ने यह साबित कर दिखाया है कि अपनी मर्यादाओं को लांघने की उम्मीद और हौसला हों तो सरहद पार भी अपना और अपने देश का नाम रोशन कर सितारों की भांति चमका जा सकता है । सरकार की ओर से ऐसी खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया जा रहा है यह अन्य दिव्यांग खिलाडियों के लिए पथ प्रदर्शक बनेगा । हमारे इन प्रतिभाशाली खिलाडियों को हमारा आशीर्वाद है ।

अगर हमारी सोच सकारात्मक हो तो चाहे कितनी ही समस्याएं और मुश्किलें आये हम उनका डंटकर सामना कर सकते हैं और उसमें से समाधान और रास्ता ढूंढ सकते हैं । अगर एक छोटा बच्चा किसी राजा की कड़ी शर्तों को स्वीकार कर उस राजा की उम्मीदों और सोच से भी आगे चित्र बनाकर उसे खुश कर सकता है तो हर इन्सान के लिए भी यह संभव है । आवश्यकता है केवल सही दिशा में सोचते रहने की । सकारात्मक सोच आपको न केवल सही रास्ता दिखायेगी बल्कि अन्य लोगों को भी प्रेरित कर उनका पथ प्रदर्शन करेगी । ऐसे पथप्रदर्शन करनेवाले लोगों के कारण ही आज हमारा देश इतनी प्रगति कर रहा है, और आगे भी करता रहेगा ।

सकारात्मक सोच के साथ समाज, देश और दुनिया का पथप्रदर्शन करनेवाले ऐसे सभी लोगों का धन्यवाद और आशीर्वाद ।

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

जुलाई : 2023, पृष्ठ संख्या : 16

वर्ष-6 अंक : 79

प्रेरणास्त्रोत और संपादक

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८
प. पू. संतश्री सद्‌गुरु ॐऋषि स्वामी ।

सह-संपादक

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

संपर्क-सूत्र

सेवा समर्पण फाउण्डेशन

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)

Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,

अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,

नया विकासगृह रोड, पालडी,

अहमदाबाद - ३८०००९

(मो.) 99749 55365, 9974955125

मुद्रक

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200

वोइस टू दिव्यांग

गुजरात के मनोदिव्यांग खिलाडियों ने जर्मनी में आयोजित स्पेशियल वर्ल्ड समर गेम्स में १४ मेडल प्राप्त कर राज्य और देश का नाम रोशन किया.

वर्ल्ड समर गेम्स का इस वर्ष जर्मनी में आयोजन किया गया । इस गेम्स में दुनियाभर के दिव्यांग खिलाडी खेलप्रदर्शन करते हैं । इस आयोजन में दुनिया के १९० से अधिक देशों के ७००० से भी ज्यादा दिव्यांग खिलाडी हिस्सा लेते हैं । हमारे देश में से भेजे गये खिलाडीयों में गुजरात के १४ एथ्लेट्स और १० कोच ने प्रतिनिधित्व किया था । इन खेलों की शुरुआत से पहले विश्वभर से आये गये खिलाडियों के लिए होस्ट टाउन प्रोग्राम फ्रेन्कफर्ट शहर में आयोजित किया गया था । इस कार्यक्रम में गुजरात के खिलाडियों ने

गुजराती लोकनृत्य गरबा करके वहां उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया था । ऐसे स्वागत कार्यक्रमों के बाद १७ जून से लेकर २३ जून तक अलग अलग स्पोर्ट्स ग्राउन्ड्स पर स्पोर्ट्स इवेन्ट, क्ल्चरल प्रोग्राम्स, हेल्थचेकअप, यंग एथ्लेट जैसे कई कार्यक्रम किए गये थे । गुजराती पैरालिंपिक ने विश्व खेलों में 2 स्वर्ण, 8 रजत और 4 कांस्य पदक के साथ कुल 14 पदक जीते । 14 मेडल के साथ इस उपलब्धि से खुश खिलाड़ियों के चेहरे पर काफी खुशी दिखी. इस मौके पर शिक्षा सचिव महेश मेहता ने टीम गुजरात टीम का स्वागत किया ।

गुजरात के पदक विजेता खिलाड़ी

1. **जालम सिंह सोलंकी (अरावली), बास्केटबॉल - स्वर्ण पदक**
2. **हिमानी प्रजापति यूनिफाइड पार्टनर (गांधीनगर)-वॉलीबॉल-स्वर्ण पदक**
3. **काजल बोलिया (बोटाद)-बास्केट बॉल-रजत पदक**
4. **लीला पटेल (दाहोद) - बास्केटबॉल - रजत पदक**
5. **रिंकल गेमीट (सूरत) - हैंड बॉल - रजत पदक**
6. **एंजेलिना पॉसिन (अहमदाबाद) - रोलर स्केटिंग - 2 रजत पदक**
7. **अक्षर प्रजापति (आनंद)-रोलर स्केटिंग-रजत पदक**
8. **प्रेम लाड (आनंद) - रोलर स्केटिंग - रजत पदक और कांस्य पदक**
9. **किरीट चौहान (दाहोद) - तैराकी - रजत पदक और कांस्य पदक**
10. **अनुराग (गांधीनगर) - यूनिफाइड पार्टनर - वॉलीबॉल - रजत पदक**
11. **राधा मच्छर (महिसागर)-फुटबॉल-कांस्य पदक**

★★★

कुछ ऐसा कर दिखाओ कि दुनिया करना चाहे आप जैसा...

यह कहानी एक दिव्यांग राजा की है जिसके राज्य में कोई भी परेशानी या समस्या नहीं थी । सभी लोग उस राजा से बहुत खुश थे और ऊपरवाले से धन्यवाद करते थे कि इतने अच्छे राजा को उनकी जिंदगी में भेजे है। वह राजा दिव्यांग था उसकी एक आँख नहीं थी और एक पैर नहीं था लेकिन फिर भी राजा को इस बात का कोई मलाल नहीं था।

एक दिन राजा अपने महल के गलियारे में घूमते हुए अपने पूर्वजों की लगी तस्वीर को देख रहा था और सोच रहा था की मेरे पिताजी इतने शूरवीर थे, उनके पिताजी इतने शूरवीर थे। हमें इतने शूरवीर खानदान में जन्म लेने का मौका मिला यह ऊपरवाले का धन्यवाद है।

राजा सभी चित्र को देखते हुए आखरी चित्र तक पंहुचा और फिर उस खाली जगह को देखा तो वह चिंता में पड़ गया क्योंकि उसे मालूम था कि अब यहाँ जो तस्वीर लगेगी वह उसी की लगेगी। लेकिन राजा को इस बात की चिंता नहीं थी कि वह मर जायेगा, चिंता इस बात की थी कि वहा जो Painting लगेगी वो कैसी लगेगी।

राजा का एक आँख और एक पैर ना होने की वजह से वह चिंता में पड़ गया और सोचने लगा कि इस गलियारे में इतने शानदार Painting लगी है लेकिन मेरी एक आँख और एक पैर ना होने की वजह से मेरी ही तस्वीर सबसे ख़राब लगेगी और सबसे भद्दी दिखेगी।

राजा ने सोचा कि मेरे मरने के बाद पता नहीं कैसी Painting बनेगी और क्यों ना मैं अपने जीते-जी ही एक शानदार पेंटिंग बनवाऊं ताकि मुझे ये सुकून मिल जाये की मेरी यहाँ अच्छी पेंटिंग लगेगी।

अब उस राज्य में ऐलान करवा दिया गया और सभी Painters को बुलाया गया और कहा गया कि जो भी पेंटर राजा का शानदार पेंटिंग बनाएगा उसे शानदार इनाम मिलेगा।

अब सभी पेंटर राज्य में आये उन सभी Painter को पता था कि अगर शानदार पेंटिंग बनेगा तो शानदार इनाम मिलेगा लेकिन जिस राजा की एक

आँख नहीं है एक पैर नहीं है उसका शानदार पेंटिंग कैसे बनेगा। Painter सोच रहे थे कि इनाम का तो पता नहीं लेकिन अगर शानदार Painting नहीं बनी और राजा गुस्सा हो गया तो सजा मिलेगी इसीलिए बड़े-बड़े चित्रकार भी आगे नहीं आये।

तभी उसमे से एक लड़का बोला राजा साहब मैं आपकी Painting बनाना चाहता हूँ मुझे 24 घंटे का वक्त दीजिये। अब सभी बड़े-बड़े पेंटर हैरान हो गए कि ये लड़का क्या Painting बनाएगा और अगर राजा को पेंटिंग पसंद नहीं आयी तो इसे सजा जरूर मिलेगी। राजा बोला ठीक है आप बना करके आईये।

अगले दिन वह लड़का तस्वीर बनाकर लानेवाला था और दरबार पूरी तरह से भर चूका था लोग दूर-दूर से ये देखने के लिए आये थे कि वह लड़का कैसा पेंटिंग बनाकर लाएगा।

अब लड़का जब उस राजा की Painting बनाकर लाया तो लोग आश्चर्यचकित रह गए सब लोग जोर-जोर से तालियां बजाने लगे सिटी बजाने लगे और जब राजा ने उस पेंटिंग को देखा तो वह खुश हो गया और बोला कि वाह ! इससे अच्छी पेंटिंग तो इस पुरे गलियारे में नहीं है राजा ने उस लड़के को बहुत सारा इनाम दिया।

अब आप सोच रहे होंगे कि उस राजा की क्या Painting बनी होगी जिसकी एक आँख नहीं है और एक पैर नहीं है, कैसी पेंटिंग बनी होगी।

उस तस्वीर में लड़के ने उस राजा को एक घोड़े पर सवार चित्रित किया था। एक साइड से उस राजा का एक पैर दिख रहा था और राजा तीरंदाजी करते हुए निशाना लगा रहा था और निशाना लगाते वक्त एक आँख बंद हो जाती है और उस लड़के ने उस राजा की वही आँख बंद चित्रित की थी जो राजा के पास नहीं थी।

इस तरह से उस लड़के ने राजा को निशाना लगते हुए घोड़े के ऊपर सवार दिखाया जिससे एक आँख बंद और एक ही पैर दिखाया और इतना शानदार Painting बनाया था कि वह अब तक की सबसे सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग थी।

उस लड़के के सामने भी चुनौती थी संकट था लेकिन उसने सकारात्मक का साथ नहीं छोड़ा। जिंदगी में आप जिस भी मुकाम पर हो, जिस भी संकट में फस जाये, जिस भी स्थति में हो अगर आपने सकारात्मक का साथ कभी नहीं छोड़ा तो यकीन मानिये आप उस संकट से बाहर निकल आएंगे।

जिंदगी में उम्मीद का साथ मत छोड़िये क्योंकि जिसने उम्मीद का साथ छोड़ दिया तो फिर जिंदगी उसका साथ छोड़ देती है। हर पल सकारात्मक रहिये, खुश रहिये, ऊपरवाले के आशीर्वाद के साथ और अपनों के प्यार के साथ, अपनी अच्छी और सच्ची मेहनत के साथ कर दिखाओ कुछ ऐसा कि दुनिया करना चाहे आप के जैसा।

दिव्यांगों के परिवारजनों के लिए बीमा सहाय योजना

यह योजना वर्ष 2008-09 से प्रारम्भ हुई है। राष्ट्रीय न्यास द्वारा मैसर्ज़ अलाईन इन्श्योरन्स ब्रोकिंग लिमिटिड 117, सैंट ई:बी:बी:ऐज़:अवैन्यू, पी:एस:सीवासमई सलाई, मिलीपोर, चैन्नई स्थित बीमा कम्पनी को नामित किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत आटिज्म, सैरेब्राल पाल्सी, मैन्टल रिटार्डेशन व बहुत दिव्यांग व्यक्तियों को स्वास्थ्य बीमा की सुविधायें उपलब्ध कराई जाती हैं।

लाभ के लिए पात्रता ?

- 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता
- समाज सुरक्षा विभाग द्वारा दिया हुआ दिव्यांग पहचानपत्र धारक दिव्यांग

क्या लाभ मिलेगा ?

- इस योजना के अंतर्गत कुदरती मृत्यु के सिवा अन्य किसी भी तरह से लाभार्थी की मृत्यु होती है या वह जीवनभर के लिए दिव्यांग बन जाता है तो इस योजना का लाभ बीमा पोलिसी की शरतों के आधीन मिलेगा, जिसमें लाभार्थी को 1 लाख रुपए तक का बीमा कवच निम्न रुप से मिल सकता है

क्रम नं	सहाय की जानकारी
1	अकस्मात से मौत- जीवनभर के लिए दिव्यांगता के किस्से में 100 प्रतिशत सहाय
2	अकस्मात से दोनों आँखे या अन्य दो अंग या हाथ-पैर गंवाने के किस्से में 100 प्रतिशत (आंख के किस्से में आंक की संपूर्ण द्रष्टि गंवाने पर और हाथ के किस्से में बलाई से उपर का हिस्सा और पैर में घूटने तक पैर कटा हुआ होना चाहिए
3	अकस्मात के कारण एक आंख और एक अंग गंवाने के किस्से में 100 प्रतिशत सहायता
4	अकस्मात के कारण एक आंख या एक अंग गंवाने के किस्से में 50 प्रतिशत

• सहायता के लिए आवेदन कहां करे ?

आवेदक की ओर से अकस्मात मृत्यु-दिव्यांगता की तारीख से ९० दिनों के भीतर दिए गए फोर्मेट में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना आवेदन नोडल अधिकारी को मिले उसे तारीख से दिन ३० में उसकी जांच कर के उनके प्रमाणपत्र एवं जरुरी दस्तावेज के साथ बीमा नियामक श्री के दफ्तर या बीमा कचहरी में भेजने होंगे अगर आवेदन प्रथामिक स्तर पर ही इस योजना के नियमों के अंतर्गत ग्राह्य न हो सके ऐसा हो तो योजना के संबंधित नोडल अधिकारी को उस आवेदन को अपने स्तर पर ही नकारना होगा । इस बात की जानकारी नोडल अधिकारी को समय मर्यादा में ही आवेदक को करनी होगी । इस तरह से नोडल अधिकारी को आवेदन नकारने की सत्ता है ।

★★★

संत समुदाय की उपस्थिति में वेदान्त दर्शन आर्श्रेय भाष्यम् ग्रंथ का विमोचन हुआ...

ॐकार संप्रदाय के आर्षद्रष्टा एवं संस्थापक मंत्रयुगप्रवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८ परम पूज्य संत श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामी विरचित वेदान्त भाष्य ग्रंथ का विमोचन संत समुदाय की उपस्थिति में अहमदाबाद में दिनांक १५-७-२०२३ के दिन किया गया । विशालबुद्धि फुल्लारविंदायतपत्रनेयी वेद व्यास महर्षि ने इतिहास और पुराण की रचनाओं के साथ साथ ब्रह्म सूत्रों की रचना कर के मनुष्य जाति पर उपकार किया है । सभी दर्शनशास्त्रों में शीर्षस्थ स्थान वेदान्त का है । ऐसे महान ऋषि द्वारा विरचित वेदों के विभिन्न सूत्रों को सामान्य लोगों के लिए सरल भाषा और सरल अर्थछाया के साथ उपलब्ध कराने का भगिरथ कार्य

हमारे परम वंदनीय मंत्रयुगप्रवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८ परम पूज्य संत श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामीने किया है। कहा जाता है कि जब विषय का वैविध्य और गहनता बढ़ जाती है तो क्या

ना चाहिए, महान लोग किस मार्ग पर चले हैं बस उनके पदकमल पर चलना चाहिए। महाजनो येन गतः स पन्थाः ठीक उसी तरह से श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामीने आदि जगदगुरु शंकराचार्य के पह दिह्नों पर चलकर वेदान्त शास्त्र पर भाष्य लिखा है। वेदान्त पर काम करना, उस पर बोलना, लिखना आदि कार्य सरल नहीं है। वर्षों की साधना, अध्ययन, मनन और चिंतन के पश्चात ही ऐसे भगीरथ कार्य के बारे में सोचा जाता है। श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामीने वर्षों से अपने मस्तिष्क में चल रहे विचार को सार्थक और शब्द रुप देने के लिए वेदान्त शास्त्र का यह भाष्य लिखा है। ऐसे महान कार्य केवल कुछ विरले लोग ही कर सकते हैं। यह भाष्य केवल आज नहीं किंतु सालों सालों और युगों तक

साधारण जनता को भी वेदान्त के सूत्रों के बारे में उपयोगी और महत्वपूर्ण जानकारी देता रहेगा।

वेदान्त शास्त्र पर लिखिति श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामी का यह भाष्य उनकी वर्षों की कठिन साधना का फल है। इस कठिन साधना के शब्दरुप का सम्मान करने के लिए ही दिनांक १५ जुलाई को ग्रंथ विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अहमदाबाद में आयोजित इस ग्रंथ विमोचन कार्यक्रम में हिन्दु धर्म के शीर्ष संतो और महंतोने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया और उपस्थित भक्तों और प्रेक्षकों को अपने आशीर्वचन का लाभ दिया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रुप से हिन्दु धर्म के विभिन्न संप्रदाय के संत- महंत उपस्थित थे। जिस में अहमदाबाद जगन्नाथ मंदिर के प.पू.दिलीपदासजी महाराज, थलतेज स्थित खाखी अखाडा, दवाखाना और गौशाला हनुमानजी मंदिर के प.पू. मोहनदासजी महाराज, अखिल भारतीय संतसमिति उत्तर गुजरात के उपाध्यक्ष और तपोवन आश्रम मोटेरा अन्नक्षेत्र एवं हनुमानजी मंदिर-गौशाला के प्रसिद्ध कथाकार प.पू.अवधकिशोर महाराजजी, सत्यनारायण मंदिर कलोल और अखिल भारतीय. संतसमिति के महंत प.पू.राममनोहरदासजी

महाराज, अखिल भारतीय संतसमिति के सदस्य और हिन्दु धर्म सेना गुजरात के संयोजक, लघुमहंत और महामंडलेश्वर गुरु दादुरामजी महाराज के शिष्य प.पू.मानसरोवरदासजी महाराज, श्री विजय हनुमान मंदिर-पाटण और आनंदधाम आश्रम पालनपुपर, अखिल भारतीय संतसमिति के प्रदेश संगठन मंत्री महामंडलेश्वर श्री प.पू, राजेन्द्रानंदगीरीजी महाराज, अखिल भारतीय संतसमिति के प्रदेश संगठन महामंत्री और कर्मयोगी महाराज हरिद्वार के महामंडलेश्वर श्री प.पू.संजयगीरीजी महाराज, गौ सेवा आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष और देश विदेश में प्रसिद्ध कथाकार प.पू. श्री चैतन्य शंभुमाहाराजजी, कठवाडा रामजी मंदिर के महंत प्रसिद्ध कथाकार और गौसेवक परिषद के सक्रिय कार्यकर श्री प.पू.योगेश बापु., संस्कृत विद्वान, प्रसिद्ध भागवत कथाकार सोला भागवत विद्यापीठ के प्रमुख व्यक्ति प.पू.भागवत ऋषिजी, रामजीमंदिर माणसा के प्रसिद्ध कथाकार और धर्मशास्त्र के पी.एच.डी धारक श्री शत्रुध्नदासजी महाराज, रामजी मंदिर कडकथल वीरमगाम के महंत और अखिल भारतीय संतसमिति गुजरात के संयुक्त महामंत्री श्री प.पू.दामोदरदासजी महाराज जैसे संतों की निष्ठा में समग्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

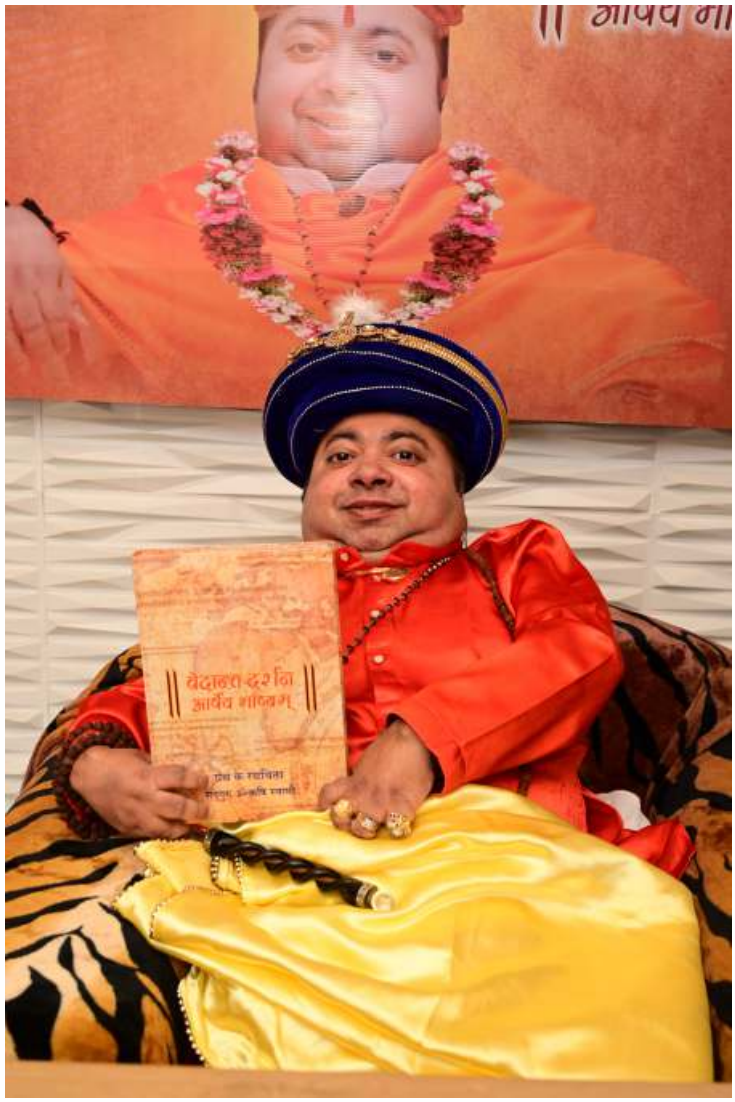

इस समग्र कार्यक्रम में उपर्युक्त संतों के अलावा अन्य संत समुदाय के अन्य कई संत उपस्थित थे।

1000 से भी अधिक श्रोताओं की उपस्थिति में ग्रंथ का विमोचन करते हुए श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामीने वेदान्त दर्शन के भाष्य का उद्देश्य बताते हुए कहा कि पहले जो भी भाष्य लिखे गये हैं उनकी भाषा क्लिष्ट होने के कारण साधारण लोगों की समझ से परे हैं और शायद इसी कारण कई लोग वेदों के बारे में और उस पर लिखे भाष्य और विवेचन ग्रंथों में ऋचि होने के बाद भी उसे पढ नहीं पाते हैं। देश जब हिन्दु राष्ट्र की दिशा में अग्रसर हो रहा हो तब हर घर में वेदों और शास्त्रों के बारे में सरल और सुलभ जानकारी होना अनिवार्य हो गया है और इसी दिशा में यह एक बड़ा कदम है । साथ ही श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामीने कहा कि उनके ॐकार संप्रदाय को आज सभी संतो की उपस्थिति में एक अलग संप्रदाय और धर्म की मान्यता प्राप्त हो गई है, क्योंकि हिन्दू धर्म का यह सिद्धांत है कि किसी भी धर्म या संप्रदाय के स्थापक के लिए यह अनिवार्य है कि उनके द्वारा वेदों पर कोई भाष्य लिखा होना चाहिए। आज वेदांत भाष्य लिखकर इस सिद्धांत और नियम की परिपूर्ति हो गई है और ॐकार संप्रदाय को सार्वजनिक रुप से संमति मिल गई है। कार्यक्रम में संतो के आशीर्वचन के साथ साथ श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामी के परम मित्र श्री कनुभाईने गुरुजी के मन में दिव्यांगों और समाज के हित के लिए जो भावनाएं कूट ट कर भरी है उसकी बात की । दिव्यांगों के लिए स्कूल, कॉलेज, और वृद्ध निराधार दिव्यांगों के लिए नर्मदा किनारे बनने वाले वृद्धाश्रम के लिए गुरुजी के आशीर्वाद और परिश्रम के बारे में भी सभागार में उपस्थित श्रोताओं को अवगत किया था। श्री सदगुरु ॐऋषि स्वामी को वर्तमान युग के अष्टावक्र ऋषि बताते हुए ऐसी विरल विभूति के आशीर्वाद पूरे देश और समाज को मिलते रहे ऐसी शुभकामनाएं व्यक्त की थी।

इस समग्र कार्यक्रम के सौजन्य दाता कामेशभाई और तेजलबेन गज्जर, शेठ श्री हर्षदभाई, दिपालीबेन खीमाणी और योगेशभाई जोशी थे।

चंद्रयान ३ का लाइव मनोदिव्यांग बच्चों को दिखाया

१४ जुलाई २०२३ को भारत के इसरो संस्थान द्वारा लोन्च किया गया चंद्रयान ३ का लाइव लोन्चींग टीवी पर अहमदाबाद अखबारनगर स्थित स्मित चाइल्ड एज्युकेशन ट्रस्ट के मनोदिव्यांग बच्चों को दिखाया गया । चंद्रयान ३ और इसरो से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी इन बच्चों को दी गई ।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर